पाठ 9

DKSALU

गुप्तकाल

लोहे से बनी वस्तुओं में प्रायः जंग लग जाती है। आज से लगभग सोलह सौ वर्ष पूर्व गुप्तवंश के एक शासक द्वारा बनवाये मेहरौली लौह स्तम्भ में आज तक जंग नहीं लगी है। इससे उस काल के उच्चकोटि के धातुज्ञान का पता चलता है।

गुप्त-साम्राज्य
(उत्कर्ष काल में)

कुषाणों के पश्चात् एक नए वंश का उदय हुआ। यह राजवंश गुप्त वंश के नाम से जाना जाता है। गुप्त साम्राज्य भारत में लगभग 320 ई0 में स्थापित हुआ। इस राजवंश ने भारत के विशाल भू-भाग पर लगभग दो सौ वर्षों से भी अधिक समय तक शासन किया था।

गुप्त साम्राज्य का विस्तार

गुप्त वंश के शासकों ने दूसरे राज्यों के शासकों के साथ वैवाहिक संबंधों, अच्छे व्यवहार, संधि तथा उन्हें पराजित कर अपने साम्राज्य का विस्तार किया। गुप्तकाल को स्वर्णयुग कहते हैं। इस समय आंतरिक कानून व्यवस्था तथा कला एवं साहित्य का विकास हुआ। गुप्त सम्राटों ने विशाल साम्राज्य स्थापित कर केन्द्रीय शक्ति को दृढ़ किया और श्रेष्ठ शासन प्रबन्ध के द्वारा शान्ति स्थापित की। इनकी शासन व्यवस्था मौर्य काल के तीन स्तरीय शासन से मिलती-जुलती थी (नामों में अन्तर छोड़कर)। एक मूलभूत अन्तर यह था कि गुप्तकाल में राजाओं द्वारा वेतन के स्थान पर भूमि दान दी जाती थी। इस काल में साहित्य, कला, धर्म एवं संस्कृति का उल्लेखनीय विकास हुआ। गुप्तकाल में उद्योग, धन्धे, व्यापार तथा वाणिज्य के क्षेत्र में अत्यधिक प्रगति हुई। गुप्तकाल में देश धन-धान्य से पूर्ण था।

श्रीगुप्त इस वंश का पहला राजा था। उसके बाद घटोत्कच राजा बना। चन्द्रगुप्त इस वंश का पहला प्रसिद्ध राजा था। जिसने 'महाराजाधिराज' की उपाधि धारण की तथा एक नए संवत् 'विक्रम संवत्' को चलाया।

अगर आपको शासन द्वारा अधिकार दिया जाए कि आप अपने क्षेत्र या जनपद का विकास करें। आप किन-किन चीजों पर ज्यादा ध्यान देंगे। चर्चा करें।

समुद्रगुप्त

चन्द्रगुप्त के बाद उसका पुत्र समुद्रगुप्त इस वंश का दूसरा महान शासक था। उसके दरबारी कवि हरिषेण ने इलाहाबाद स्थित अशोक के स्तम्भ पर समुद्रगुप्त का अभिलेख खुदवाया। यह समुद्रगुप्त की प्रशंसा में लिखा गया है। इसे प्रयाग प्रशस्ति के नाम से जाना जाता है।

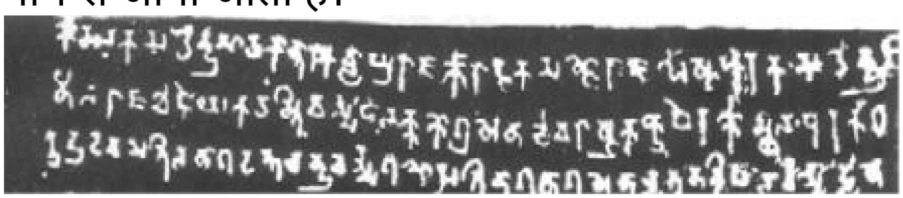

ीइस प्रशस्ति की लिखावट पर ध्यान दीजिए। क्या कोई अक्षर आपकी पहचान का है ?

प्रयाग प्रशस्ति

ीअशोक के अभिलेख की लिखावट एवं इसकी लिखावट में क्या आपको कोई समानता दिखाई देती है ?

ीइस अभिलेख में समुद्रगुप्त के विजय अभियान का वर्णन है।

समुद्रगुप्त को कभी पराजय का सामना नहीं करना पड़ा। इसी कारण इसे भारत का नेपोलियन कहा जाता है। विजय प्राप्त करने के बाद उसने अश्वमेघ यज्ञ किया। समुद्रगुप्त ने सोने के सिक्कों का निर्माण करवाया जिसमें अश्वमेघ के घोड़े अंकित हैं।

चन्द्रगुप्त द्वितीय

समुद्रगुप्त के बाद उसका पुत्र चन्द्रगुप्त द्वितीय राजगद्दी पर बैठा। चन्द्रगुप्त द्वितीय ने 400 वर्षों से मालवा व गुजरात में शासन कर रहे शकों को हराया। इन्होंने विक्रमादित्य की उपाधि धारण की।

कुमार गुप्त व स्कन्दगुप्त

चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य के बाद क्रमशः कुमारगुप्त व स्कन्दगुप्त गद्दी पर बैठे। इनके शासन काल में गुप्त साम्राज्य पर हूणों ने आक्रमण कर दिया। हूण मध्य एशिया की क्रूर एवं बर्बर जाति के लोग थे। वे जहाँ जाते वहाँ तोड़-फोड़ करते थे किन्तु गुप्त राजाओं ने हूणों के आक्रमण को रोका।

इसके बाद के गुप्तवंश के उत्तराधिकारी शासक यह प्रहार नहीं रोक सके। गुप्त वंश पर हूणों का आक्रमण जारी रहा और बुद्धगुप्त के समय से ही गुप्त साम्राज्य विघटित होता गया। हूणों के लगातार आक्रमणों से एवं अन्य कारणों से छठीं शताब्दी के आरम्भ में इस वंश का अंत हो गया।

गुप्त साम्राज्य की उपलब्धियाँ

1. संगीत

गुप्त सम्राट संगीत प्रेमी थे। कुछ सिक्कों पर वीणा बजाते हुए सम्राट समुद्रगुप्त का चित्र अंकित हैं।

2. कला

शिव मन्दिर, भूमरा

स्थापत्य, मूर्तिकला और चित्रकला इस युग की महान देन है। भूमरा नामक स्थान पर शिव मन्दिर का चबूतरा और शिवलिंग ही शेष रह गए हैं। यह स्थापत्य कला का नमूना है। मूर्तियाँ हिन्दू, वैष्णव, शैव, बौद्ध, जैन आदि सभी धर्मों से सम्बन्धित हैं। मूर्तियों का निर्माण सफेद बलुआ पत्थरों से हुआ है। गुप्त काल में विशेष प्रकार के पत्थर के स्तम्भ भी बनाये जाते थे। औरंगाबाद के पास अजन्ता की प्रसिद्ध गुफा है। गुफा की दीवारों पर बुद्ध के जीवन से

संबन्धित घटनाओं का चित्रांकन (जिन्हें भित्ति चित्र कहते हैं) किया गया था। इन चित्रों के रंग आज भी लगभग वैसे ही हैं जैसे शुरू में थे।

भित्ति चित्र

3. साहित्य

गुप्त काल में साहित्य के क्षेत्र में अत्यधिक प्रगति हुई। चन्द्रगुप्त द्वितीय विक्रमादित्य के दरबार में नव रत्न थे। इन नव रत्नों में कालिदास भी एक थे। कालिदास की प्रमुख रचनाएँ अभिज्ञान शाकुन्तलम्, रघुवंशम्, कुमारसम्भवम् हैं। इसी काल में शूद्रक ने मृच्छकटिकम् तथा विशाखदत्त ने मुद्राराक्षस नामक प्रसिद्ध नाटक लिखे। इस काल में पुराणों पर आधारित पंचतंत्र की रचना की गई जिसमें लिखी गई कहानियाँ बच्चों को सूझबूझ की जानकारी देती हैं। रामायण तथा महाभारत को भी इसी समय अन्तिम रूप दिया गया।

4. विज्ञान

मेहरौली का लौह स्तम्भ

इस काल में विज्ञान के क्षेत्र में विशेष प्रगति हुई। इस काल के प्रसिद्ध वैज्ञानिक आर्यभट्ट ने बताया कि पृथ्वी गोल है। वह सूर्य का चक्कर लगाती है। इनके सम्मान में ही भारत में प्रथम कृत्रिम उपग्रह का नाम आर्यभट्ट रखा गया। मेहरौली का लौहस्तम्भ वैज्ञानिक प्रगति का एक बेजोड़ नमूना है।

वराहमिहिर चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य द्वितीय के दरबार के नवरत्नों में से एक थे। वराहमिहिर, विज्ञान के इतिहास के प्रथम व्यक्ति थे जिन्होंने कहा कि कोई शक्ति ऐसी है जो चीजों को जमीन के साथ चिपकाए रखती हैं। आज इसी शक्ति को गुरुत्वाकर्षण कहते हैं।

ध्यान दें- जब कभी भी आप दिल्ली जाएं तब मेहरौली स्तम्भ को कुतुबमीनार परिसर में देख सकते हैं।

फाह्यान के अनुसार गुप्त काल की सामाजिक स्थिति-

विदेशी यात्री फाह्यान चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य के समय भारत आया था उसने लिखा है कि चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य का शासन बहुत अच्छा था। उसके समय में प्रजा सुखी और धनी थी। लोग स्वतंत्रतापूर्वक व्यवसाय करते थे। धर्मशालाओं में भोजन करने की समुचित व्यवस्था थी। राज्य में चोरी का नाम नहीं सुना जाता था। देश में शान्ति थी। राजा और प्रजा एक दूसरे के प्रति आदर और सम्मान का भाव रखते थे। कर बहुत कम थे अपराधियों पर जुर्माना लगाया जाता था। किसी को मौत की सजा नहीं दी जाती थी।

फाह्यान ने पाटलिपुत्र में एक विशाल चिकित्सालय देखा। चिकित्सालयों में रोगियों को मुफ्त दवा व भोजन देने की व्यवस्था थी। नगर में अनेक संस्थाएं थीं जहाँ दीन-दुखियों की मदद तथा अपाहिजों की सेवा की जाती थी। गुप्तकाल के लोग दानी और दयालु प्रवृत्ति के थे। गुप्तकाल में लोग लहसुन, प्याज व शराब का सेवन नहीं करते थे। वे अहिंसक और सत्यवादी थे।

अभ्यास

1. गुप्तवंश के शासकों ने कितने वर्षों तक शासन किया ?

2. समुद्रगुप्त के विजय अभियान को किसने लिखा ?

3. गुप्तकाल में कला एवं विज्ञान की उन्नति का उल्लेख करिए।

4. गुप्तकाल को भारत का स्वर्णयुग क्यों कहते हैं ? स्पष्ट करिए।

5. फाह्यान कौन था ? उसने तत्कालीन भारत के विषय में क्या लिखा ?

6. गुप्त शासकों ने अपने साम्राज्य को बढ़ाने के लिए क्या उपाय किए ?

7. सही मिलान कीजिए-

कालिदास मुद्राराक्षस

शूद्रक अभिज्ञान शाकुन्तलम्

विशाखदत्त पृथ्वी सूर्य का चक्कर लगाती है

वराहमिहिर मृच्छकटिकम्

आर्यभट्ट गुरुत्वाकर्षण

8. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) भारत का नेपोलियन.............................. को कहा जाता है।

(ख) स्कन्दगुप्त ने ....झील का जीर्णोद्धार कराया।

(ग) गुप्त संवत् का प्रारम्भ ....ई0 से होता है।

(ड) गुप्तवंश के पहले शासक ....थे।

प्रोजेक्ट वर्क

अपने आस-पास की किसी धार्मिक इमारत, किला एवं पुस्तकालय आदि के भवन का चयन करें और निम्नलिखित जानकारी प्राप्त करने प्रयास कीजिए-

इसका निर्माण कब हुआ था और इसे किसने बनवाया था ?

इसका उचित रख-रखाव हो रहा है या नहीं ?एकत्रित जानकारी के आधार पर एक रिपोर्ट तैयार कीजिए। इन इमारतों को सुरक्षित रखने के उपाय सुझाइए।